5. पशु पालन – चारे व पानी की व्यवस्था :–

बून्दी जिले में वर्तमान में समग्र रूप से चारे की कोई कमी नहीं है। जिले की सिंचित क्षेत्रा के0पाटन तथा बून्दी में पशुओं को खिलाने हेतु काफी चारा उपलब्ध है। सूखे चारा भूसा, सोयाबीन की कांठ, चावल की पराल तथा मक्का की कडप के रूप में लगभग 5–6 रूपये प्रति किलो की कीमत पर उपलब्ध हो रहा है। नैनवां एवं हिण्डोली क्षेत्रा में पशुपालक चारे की आपूर्ति जिले से ही कर रहे है। जहां लगभग रू. 8–9 प्रति किलो की दर से उपलब्ध होना बताया गया है। नैनवां/हिण्डोली की रिपोर्ट के अनुसार माह जनवरी – 10 के बाद चारा डिपो खोले जाने की आवश्यकता हो सकती है।

कृषि एवं पशुपालन विभाग द्वारा किसानों को रबी फसल के चारे की बुवाई हेतु क्रमशः लगभग 23000, रिजका तथा बरसीम मिनिकिट्स एवं पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालकों को 1670 प्रदर्शन मिनिकिट्स जई एवं बरसीम़चाइना केबेज के उपलब्ध कराये गये हैं। जिनका शत प्रतिशत विवरण कराया जाकर 90 प्रतिशत तक बुवाई हो चुकी है। अतः सिंचित क्षेत्रा में अगले माह से हरा चारा उपलब्ध हो सकेगा।

तहसील हिण्डोली, नैनवां, इन्द्रगढ के छोटे जलाशय सूख जाने के कारण आने वाले समय में पशुओं के पानी पीने की समस्या पैदा होने की संभावना प्रतीत होती है।